

M.A. (RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

December, 2014

00990

**MRDE-004 : ENTREPRENEURSHIP AND
RURAL DEVELOPMENT**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Attempt all five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answer to question no. 1 and 2 should not exceed 800 words each.*
-

1. Discuss the evolution of entrepreneurial scenario 20
in modern India prior to independence.

OR

Explain the conditions for market economy to 20
boost entrepreneurship.

2. Briefly explain the outcomes of policies and 20
strategies of entrepreneurship.

OR

What are the basic infrastructure required for 20
promotion of rural entrepreneurship in India?

3. Answer **any two** of the following in about **400** words each :
- (a) Briefly explain the various constraints in making rural areas investment destination. **10**
 - (b) What are the advantages and disadvantages of proprietorship ? **10**
 - (c) Explain the importance of human resources for promoting entrepreneurial culture. **10**
4. Answer **any four** of the following in about **200** words each :
- (a) Briefly explain the micro-economic models of William J. Baumal and Harvey Leibenstien. **5**
 - (b) Discuss the problems encountered in managing rural enterprise. **5**
 - (c) What are the types of rural entrepreneurship ? **5**
 - (d) Explain the potential of rural tourism in India. **5**
 - (e) How to assess the market ? **5**
 - (f) Briefly discuss the significance of staffing in the management of a rural enterprise. **5**

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each:
- (a) Max Weber and Schumpeter theory of entrepreneurship 4
 - (b) Role of industry in employment generation 4
 - (c) Traditional economy 4
 - (d) Small scale industries in the post independence era 4
 - (e) Self Help Groups (SHGs) 4
 - (f) Pottery industry 4
 - (g) National Bank for Agricultural and Rural Development (NABARD) 4
 - (h) Break - even analysis 4
-

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

एम.आर.डी.ई.-004 : उद्यमशीलता एवं ग्राम
विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट :** (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 800 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले आधुनिक भारत में उद्यमशीलता के विकास की रूपरेखा की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

- उद्यमशीलता के संवर्धन के लिए बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं की व्याख्या कीजिए। 20

2. उद्यमशीलता की नीतियों और कार्यनीतियों के परिणामों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

- भारत में ग्राम उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने के लिए अपेक्षित बुनियादी ढाँचा क्या है? 20

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 400 शब्दों में दीजिए :
- (a) ग्रामीण क्षेत्रों को निवेश का केंद्र बनाने की राह में विभिन्न अवरोधों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10
- (b) स्वामित्व के लाभ और हानियाँ क्या हैं? 10
- (c) उद्यमशीलता संस्कृति के प्रोत्साहन के लिए मानव संसाधन के महत्व की व्याख्या कीजिए। 10
4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 200 शब्दों में दीजिए :
- (a) विलियम जे.बोमल और हार्वे लेबेन्सिटिन के सूक्ष्म-आर्थिक मॉडलों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 5
- (b) ग्रामीण उद्यम के प्रबंधन में अनुभव की जाने वाली समस्याओं की चर्चा कीजिए। 5
- (c) ग्रामीण उद्यमशीलता के प्रकार कौन से हैं? 5
- (d) भारत में ग्राम पर्यटन की संभावना की व्याख्या कीजिए। 5
- (e) बाजार को कैसे निर्धारित किया जाता है? 5
- (f) ग्रामीण उद्यम के प्रबंधन में कार्मिकों की भर्ती के महत्व की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक) लगभग **100** शब्दों में लिखिए :

- | | | |
|-----|---|---|
| (a) | मैक्स वेबर और शूमपीटर का उद्यमशीलता का सिद्धांत | 4 |
| (b) | रोजगार सृजन में उद्योग की भूमिका | 4 |
| (c) | पारंपरिक अर्थव्यवस्था | 4 |
| (d) | उत्तर-स्वतंत्रता काल में लघु पैमाने के उद्योग | 4 |
| (e) | स्व-सहायता समूह | 4 |
| (f) | कुंभकारी उद्योग | 4 |
| (g) | राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) | 4 |
| (h) | लाभ-अलाभ विश्लेषण | 4 |
